HRA Fills USIUS The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 11, 1989 (22, माघ 1910) No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 11, 1989 (MAGHA 22, 1910)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके) (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

	t	विषय-सूची	
	नृष्ठ	•	q*er
भाष] — क्ष्य : रक्षा मंत्रालय की छोड़कर कारत सरकार के मंत्रालयों भीर उच्चेतम न्यायालय हारा भारी की गई विधितर नियमों, विभियमों तथा गारेशों भीर संगम्पों से संबंधित शक्षि- सुचनाएं	157	माग् II वाण्यं 3 जप वाण्यं - (ili) मारत सरकार के संवालयों (जिलमें रक्षा संवालय मी वासिल है) भीरकेण्यीय प्राधिकरणों (संव वासिल कोलों के प्रणासमों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सोविधिक	
नाय (सण्क 2 (रक्षामंत्रासय को छोड़कर) मारत सरकार के मंत्रासयों मीर उच्चतम न्यायालय द्वारा शारी की गई सरकारी प्रक्षिकारियों की नियुषितयों, प्रदोशतियों, छुट्टियों प्रादि के सम्बन्ध में प्रसिद्धमाएं	109	नियमी सीर सांविधिक धावेगी (जिनमें सामान्य स्वक्य की उपविद्या भी शामिल हैं) के हिन्दी में सिक्त तपाठ (ऐसे पाठीं को छोड़कर जो भारत के राजपत्त के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
कान 1 काण्य उ रक्षा मंद्रालय द्वारा जारी किए गए सकल्यों सीच स्पत्तीविधिक सावेती ने सम्बन्ध में समिमूचनाएं	*	वान II वाण्ड 4 रक्षा मंद्रालय हारा जारी फिए गए शांधियक नियम सीर सावेश .	• .
साम रिक्रमधारम ४एका मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी स्रोत्तकारियों की नियुवितयों, क्योस्तियों, छुद्वियों सादि के सम्बन्ध में स्रोधसूचनाएं साय IIसण्ड 1धिनियम, सन्याबेस सौर विनियम साय IIसण्ड 1कप्रोतिनयमों, सन्यावेसों सौर विनियम	189	वास III व्यवस्था व्यवस्था स्वाया स्वयो, निर्मावक्ष सीर महासेव्या परीक्षक, संव सीका सेवा सायोग, रेल विचाय सीर मारत सरकार से संबद्ध सीर स्रवीतस्य कार्यासर्थों हारा वारी की गर्र स्रवितृत्वनार्य	115
यमी का हिश्दी चावा में श्राधिकृत पाठ . भाग II वश्व 2 विद्येयक तथा विश्लेयकों पर प्रवर समितियों के विल तथा रिपोर्ट .	# #	माय III चन्च 2वेटेन्ट कार्यांसय द्वारा जारी की गर्द वेटेन्टो धीष विजादनों से संबंधित अधिसूचनाएं धीर वोटिस	1 1 1
नाय II—नाम 3एय-खण्ड (i) भारत सरकार के संबातयों (रक्षा संबातय को छोड़कर) भीर केशीय प्राक्षिकरणीं (सब गासित क्षेत्रों के प्रकासनीं		चाय IIIवश्य अ≁ मुक्य सामुक्तों के पाक्षिकार के सधीन समया क्षारा आरी की गई सक्षिमुचनाएं,	•
प्राप्तकरणा (सब शास्त क्षेत्र के स्वास्ता को छोड़कर) द्वारा जोरी किए गए साप्तास्य साविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वक्ष्य के स्रोवेश स्रोव अपविधियों स्रावि भी सामित्र		वान IIIवण्ड 4विविध प्रक्षिनूचनार् जिनमें सांविधिक निकाशों द्वारा जारी की गई पश्चिम्चमाएं, धादेश, विधापन सौद मोटिस वामिल हैं	135
है)। मार्ग ! चण्ड 3 उप-चण्ड (ii) भारत सरकार के बंदा- सर्गो (रक्ता मंजालय को छोड़कर) धीय केण्डीय प्राधिकरूपों (संच सामित खेसों	#	बाग IVवैर-मरकारी ध्यक्तियों धीय गैर-सरकारी शिक्षार्थी द्वारा जारी किए यह विज्ञापन धीर नोडिस धाग Vचडीयो खोग हिन्दी दोनों में जन्म सीर मृत्यु	17
के प्रशासकों को छोड़कर) ढारा जारी किए कए सामितिक धारेस भीष खीब सुम्बर्गाएं- पूर्व हुन		ने मोक्सें का दिवाने नाता अनुपूरक	-
सूचनाए- • 🗷 •			

CONTENTS

		Page		PAGE
Part	I—Section 1—Notifications relating to Non- Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Mini- stry of Defence) and by the Supreme Court,	15 7	PART 11—Section 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindl (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of Indla) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Byclaws of a general character) issued by the	
PART	I—Section 2—Notifications regard/ng Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme		Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories).	
PART	Court ISection 3-Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued	109	PART II—Section 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence.	,
Part	by the Ministry of Defence I—Section 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of	-	PART III—Section 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and	
PART	Defence II—Section 1—Acts, Ordinances and Regu-	189	by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	115
	lations 11—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—Section 2—Notifications and Notices Issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	111
PART	II—Section 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—Section 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commis-	
PART	II—Section 3—Sub-Sec. (I)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).	•	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	135
PART	fi-Section 3-Sua-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and		PART IV—Advertisements and Notices Issued by Private Individuals and Private Bodies .	17
	by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	•	PART V Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

भाग I--जण्ड 1 [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court)

उद्योग भंजालय ग्रंद्योगिक विकास विभाग

नई विन्ती, विनोक 29 दिसम्बर 1988

म 0.7011/01/87-नमक - इस मंत्रालय के ता० 16 जून, 1988 के संकल्प मं 0.7011/01/87-नमक प्रांर ता० 10 प्रसन्त, 1988 के समसंख्यक संकल्प जिलके तहत केन्द्रीय नमक सलाहकार बीई का पुनर्गठन किया गया था, के कम में भारत सरकार ने श्री कौल सिंह ठाकुर, स्थास्थ्य मंत्री, हिमायल प्रवेश सरकार को बीई के सदस्य के रूप में नामित करने का निर्णय किया है।

श्रादेश

धारोक विया जाता है कि यह संकत्य सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, योजना भायोग, मंत्रिमंडल सचिवालय ग्रौर प्रधान मंत्री के कामलिय को भेजा जाए:

यह भी भादेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत भाग-1

जी० वेंकटरमनन, सयुक्त मिन्नव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई विल्ली, दिनोंक 16 जनवरी 1989

संभल्प

विवय:--सिधी सलाहकार समिति का पुनर्गटन

स एक 6-11/87-डो-3(भा०)-- शिक्षा मंत्रालय द्वारा बर्ष 1972 में श्राबोधित सिंखी श्रध्यताओं तथा लेखकों के श्रीखल भारतीय सम्मेलन में की गई सिफारिशों के श्रनुसरण में मानक साहित्य तैयार करने की एक योजना भारत सरकार द्वारा वर्ष 1975 में शुरू की गई थी। निंधी भाषा के विभिन्द श्रध्येताओं तथा शिक्षा विशें की एक सिंधी सलाहकार समिति का गठन किया गया। सिंधी सनाहकार समिति का समय-समय पर पुनर्गटन किया गया है। (इसका श्रील्तम पुनर्गटन वर्ष 1985 में किया गया था।)

2. इस मिर्मित को बाल साहित्य, संदर्भे पुस्तकों, विश्वकोश श्रीर पाठ्य-पुस्तकों सिहत सिधी में पौक्षिक तथा धन्य साहित्य तैयार करने में भारत सरकार की अस्पुतम हंग से सलाह देना धपेक्षित है। प्रन्य बातों के साध-साब इस सिपित के सदस्यों में सिधी भाषा के विख्यात अध्येता भी शामिक हैं के अभिति में उनकी उपस्थित का लाभ भारत सरकार द्वारा उन्हें संविधित ऐसे ही पौक्षिक मामलों में सिपित की सलाह सेकर प्राप्त किया जाएगा।

- कार्यकरण समिति का यार्थ संकार की निम्कलिखित अति में निलाह देना है:---
 - (क) विकास तथा श्राधिति ज्ञान की अन्य गाखाओं से समिति पुस्तकें, बाल साहित्य, सन्दर्भ साहित्य, सन्दर्भ कृतियाँ, विश्वकोध, बुतियादी पाउ्य पुस्तकों ग्रावि सहित निश्ची में साहित्य तैयार अस्ता:
 - (ख) समिति को भेजे जाने वाली सिंधी की प्रौन्नति से संबंधित सामले भीर
 - (ग) सिधी की प्रौन्नति के लिए एसे समारीह ग्रायोजिन करना जो समय-प्रमय पर भारत मरकार द्वारा सौंपे जाएंगे।

4 संरचना: सिंधी सलाहकार समिति में निम्नलिखित व्यक्ति शामिल होंगे:--

(i) श्रीएल०पी० साही, .	म ःव श
(ii) डा० एम०के० जेतली, दिल्ली .	उपाड्यका
(iii) प्रो० हिरो ग्रेवाकानी, उल्हासनगर	सदस्य
(iv) श्री टेक चन्द मस्त. सर्वा .	सदस्य
(V) श्रीमती सुन्दरी उत्तम चन्दानी, बंबई .	श्चस्य
(vi) प्रोफेसर सतीस रोहरा, दिल्ली	गवस्य
(vii) श्रीजे जे तिलगार्ना	नदस्य
(viii) डा० नारायण सम्तानी, बाराणसी	भदस्य
(ix) श्री वी०टी० ग्रमी जस्यानी, गांधीबाम्	मदस्य
(x) श्री राधाक्रुण्णत गुरनानी, जबलपुर :	भवस्य
निम्नलिखित स्वीच्छक संगठनों में से प्रत्येक का एकन	কে মনিনিঘি

इसका सदस्य होगा: (xi) प्रक्रिक्त भारतीय सिंधी बोली और साहिन्य प्रचार सभा,

- (X1) प्रक्रिय भारतीय निक्षी क्रीती क्रीर माहिल्य प्रचार सभा, उल्लास नगर
- (xii) मध्य प्रदेश सिधी समाज, भोपाल राज्य सिधी अकादमियां
- (xiii) राजस्थान सिधी ककादमी, जयपुर
- (xiv) गुजरात सिंधी मकावमी, महमवाबाद
- (XV) महाराष्ट्र सिधी प्रकावमी, बंबई.
- (xvi) एम०पो० सिधी ग्रकादमी, भोपाल पदेन-सदस्य

(XXI) निदेशकः (केन्द्रीय हिन्दी निदेशासम) .

(xvii) अ. स./भाषा प्रणाग के स्यूरी प्रमुख			ग त्र ग
(xviii) सानव संसाधन विकास मंद्रालय			म दस्य
उप-सिवव/भावा प्रभाग के प्रमुख			सदस्य
(xix) सचिव, साहित्य प्रकादमी .			सवस्य
(xx) निवेशक, सरककी-ए-उर्दू ब्यूरी	•	,	सवस्य

सबस्य

मदस्यों का कार्यकाल वो वर्षका होगा। पदन सदस्य तब तक सदस्य रहेंगे अब क्षक वे उस पद पर कार्य करते रहेंगे जिसके लिए वह समिति के सदस्य हैं।]

यदि त्याग-पन्न, मृत्यु आदि के कारण समिति में कोई रिक्ति होती है तो उस रिपित पर नियुक्त किया गया सबस्य दी वर्ष की बकाया प्रविधि के लिए सबस्य होगा।

- 5. बैटर्क निमित्ति की बैटक वर्ष में कम-से-कम एक आर भजस्य होगी। तथापि, जैपा भी उचित समझा जाएगा बैटकें कभी भी मुलाई जा सकती है।
- अ. सिंघवालय : केल्प्रीय हिन्दी निदेशालय (सिंघी सैल) समिति के सिंगवालय के रूप में कार्य करेगा।
- 7. विषय तालिका/कार्यं बल/उप-समितियां:--- समिति को सपने कार्यों के निष्पादन के संबंध में यथा अपेक्षित विषय, तालिका, कार्यं बल/उप-समितियां गठित करने का अधिकार होगा।

म(देश

अविश विया जाता है कि संकल्प की प्रतियां सिधी सलाहकार समिति के सभी सदस्यों, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दाकरी आयीग के अध्यक्ष; विश्वतिकालय अनुवान आयोग के अध्यक्ष; विश्वतिकालय अनुवान आयोग के अध्यक्ष; विश्वतिकालय अनुवान आयोग के अध्यक्ष; विश्वतिकालय आया संस्थान के निवेशकों, उर्द्तरक्की व्यूरों के निवेशक, केन्द्रीय हान्यों संस्थान: राष्ट्रीय संस्थान संस्थान के निवेशकों, उर्द्तरक्की व्यूरों के निवेशक, केन्द्रीय साथा संस्थान: राष्ट्रीय संस्थान संस्थान के निवेशकों, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिष्ठव्, सभी कुलपित्यों; प्रधान मही के गायां संस्थाय कार्य विभाग, लोकसभा सचिवालय; संभवीय कार्य विभाग, लोकसभा सचिवालय और भारक संस्थात है संज्ञालय और शिक्षाओं को भेजी जाए।

यह भी भादेश दिया जाता है कि संकल्प की भारत के राजपत्त से सुबनार्थ प्रकाशित किया जाए।

र्पा०के०सठ, उप-पचित्र

(संस्कृति विभाग)

सई दिल्ली, विसंकि: 5 जनवरी, 1989

संकटा

मं एक वन्न / १८८मी एक ०-१०-१०- विभाग के दिनां । १८-१-१९८३ के गममंद्रक संकल्प द्वारा राष्ट्रीय मानव संब्रहासय के कार्य-करण की समीका करने भीर संगठनास्यक ढांचे भीर इसके भावी विवासास्यक कार्यक्रमों पर सिफारिश करने के लिये गटित राष्ट्रीय कानव संबद्धालय, भीपाल की समीक्षा समिति को एसव्हारा घपनी निपोर्ट 31-1-1989 तक प्रस्तुत करने की भनुमति प्रवान की जाती है।

मावेश ∤

भादेश दिया जाता है कि संकरप को अध-सामान्य की बूचना के लिये भारत के राजपत में प्रकाशित किया जाए।

एन ० सिकदर, उप किशा नलाहकार

जल-भूतल परिवहन मलासय (धतवेंशीय जल परिवहन पक्ष) नई दिल्ली-11000, दिनोक 30 नवस्वर 1988

संकल्प

सं० 28-माई० डरूयू० टी०(3)/88-पी० एष्ड डरूयू०-- श्री एस० भगवती की मध्यक्षता में भारत सरकार द्वारा भगस्त, 1968 में गठित सिमिति ने भन्य बातों के साथ-साथ तैयार की गई विभिन्न स्कीमों के निष्पादन में की गई प्रगति की समीक्षा के लिए तथा सिमिति द्वारा की गई बिविश्व सिमारियों के कार्यान्वयन के लिए स्थायी झाझार पर एक उच्च-शक्ति प्राप्त मंडल की स्थापना करने की सिमारियां की थी। इस सिमारियां के अनुसरण में भारत सरकार ने 11 अक्तूबर, 1971 की केन्द्रीय अतर्वेशीय जल-परिवहन मंडल श्रीर अंतर्वेशीय जल परिवहन कार्यान्वयन एवं समस्वय सिमित नामक दी निकायों का गटन निया।

2. सरकार ने केन्द्रीय अंतर्वेशीय जल परिवहन अंखल के कार्यवालन की समीक्षा कर ली है। जल-भूतल (परिवहन के विभिन्न संसाधनों के समिन्न विकास को सुनिश्चिक करने हेतु नीतियों की रुप-रेखा और कार्यक्रिम नैयार करने के क्षेत्र में एक एकिकृत वृष्टिकोण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, यह निर्णय किया गया है कि केन्द्रीय असर्वेशीय अल-पिन्वहन मंडल के कार्यकलाप परिवहन विकास परिवद को सौप दिए जाए। तदमुमार सरकार ने मंत्रालय के संकल्प मंग्र 8-आईं उक्तयू० टीज (18)/70-पीज एण्ड डक्स्यू० दिनांक 11 अम्बूबर, 1971 द्वारा गठिन केन्द्रीय अल-परिवहन कार्यक्रिय अल-परिवहन कार्यक्रिय अल-परिवहन कार्यक्रिय अल-परिवहन कार्यक्रिय स्मार्थक के सम्मान करने का निर्णय किया है।

ऋ।देश

भावेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति राष्ट्रपति के निभी भीर मिलिट्टी सजिबों, प्रधान मन्नी सजिबालक, योजना भागीय, भागत सरकार के सभी भेजालय तथा सभी राज्य सरकारों की भेजी जाए।

बी० मार० चह्नाण, संयुक्त सधित (परिवर्तन)

MINISTRY OF INDUSTRY

((DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 29th December 1988

RESOLUTION

No. 07011/01/87-Salt.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 07011/01/87-Salt dated the 16th June, 1988 and Resolution bearing same number dated the 10th August, 1983, reconstituting the Central Advisory Board for salt, the Government of India have decided to nominate Shri Kaul Singh Thakur, Health Minister, Government of Himachal Pradesh as a Member of the Board.

ORDER

ORDERID that this Resolution be communicated to all State Governments, all Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat and Prime Minister's Office.

ORDREED also that the Resolution be published in the Gazette of India, Part-I, Section-1.

G. VENKATARAMANAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF EDUCATION)
New Delhi, the 16th January 1989
RESOLUTION

Subject: Reconstitution of the Sindhi Advisory Committee

No. F.6-/87-D.3(L).—In pursuance of the recommendations made in all India conference of Sindhi scholars and writers convened by the Ministry of Education in 1972, a scheme for production of standard literature in Sindhi was prepared. The scheme was launched in 1975 by the Government of India. A Sindhi Advisory Committee has been reconstituted from time to time. (It was last re-constituted in 1985).

2. The Committee is required to advise the Government on the best manner for the production of academic and other literature in Sindhi, including books on children's literature, reference books, encyclopaedia and text-books. The Committee will, inter-alia, include among its members eminent cholars of Sindhi language. Advantage of their presence on the Committee will be taken by the Government to obtain the Committee's advice on such educational matters as may be referred to it.

- 3. Functions: The functions of the Committee will be to advise the Government:
 - (a) on production of literature in Sindhi, including books on science and other branches of modern knowledge, children's hterature, reference works encyclopaedias basic text, etc.;
 - (b) on matters, concerning the promotion of Sindhi as may be referred to it; and
 - (c) to undertake such functions for the promotion of Sindhi as may be assigned to it by the Government from time to time.
- 4. Composition: The Sindhi Advisory Committee shall consist of the followings:--

Chairman

(i) Shrl L. P. Shahl.

Vice-Chairman

(ii) Dr. M. K. Jetley, Delhi.

Members

- (iii) Prof. Hiro Shewakani, Ulhasnagar.
- (iv) Shri Tek Chand Mast, Bombay.
- (v) Smt. Sundri Uttamchandani, Bombay.
- (vi) Prof. Satish Rohra, Delhi.
- (vii) Shri J. J. Tilwani, Ajmer.
- (viii) Dr. Narayan Samtani, Varanasi.
- (ix) Shri B. T. Abhlchandani, Gandhidham.
- (x) Shri Radha Krishan Gurnani, Jabalpur.
- A representative each from following agencies shall be member.
 - (xi) Akhil Bharat Sindhi Boli and Sahit Prachar Sabha. Ulhasnagar.
 - (xii) Madhya Pradesh Sindhi Samaj, Bhopal.

State Sindhi Academies

- (xiii) Rajasthan Sindhi Academy, Jaipur.
- (xiv) Gujarat Sindhi Academy, Ahmedabad.
- (xv) Maharashtra Sindhi Academy, Bombay.
- (xvi) M.P. Sindhi Academy, Bhopal.

Ex-Officio Members

Members

- (xvii) A. S/Bureau Head of Languages Division
- (xviii) Deputy Secretary/Divisional Head of Languages in Ministry of Human Resource Development.
- (xix) Secretary, Sahitya Academy.
- (xx) Director, Bureau for Promotion of Urdu.

Member Secretary

(xxi) Director, (CHD).

The tenure of members shall be two years. Ex-Officio members shall continue as members so long as they hold office by virtue of which they are members of the Committee.

If a vacancy arises on the Committee due to resignation, death, etc., the member appointed against that vacancy shall hold office for the residual period of the tenure of two years.

- 5, Meetings: The Committee shall meet not less than once a year. Meeting may, however, be convened at any time as may be deemed necessary.
- 6. Secretariat: The Central Hindi Directorate (Sindhi Cell) shall function as the Secretariat of the Committee.
- 7. Subject Panel/Working Groups/Sub-Committees

The Committee shall have powers to constitute subject panels, working groups/Sub-Committees, as necessary. in connection with the discharge of its functions.

ORDER

ORDERED that copies of the Resolution be communicated to all members of the Sindhi Advisory Committee; Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology; Chairman, University Grants Commission; Director General, Council of Scientific and Industrial Research; Directors, Central Institute of Indian Languages; Director, Bureau for Promotion of Urdu; Kendriya Hindi Sansthan; Rashtriya Sanskrit Sansthan; Central Institute of English and Foreign Languages; National Council for Educational Research and Training; All Vice-Chancellor; Prime Minister's Office; Department of Parliamentary Affairs; Lok Sabha Secretariat; Planning Commission; President's Secretariat and Ministries and Departments of the Government of India.

Orderep also that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

P. K. SETH, Dy. Socy.

(DEPARTMENT OF CULTURE)

New Delhi, the 5th January 1989

RESOLUTION

No. F.4-1/88-CH.I.—The Review Committee of the Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal which was constituted to review the working of Rashtriya Manav Sangrahalaya and to make recommendations on Organisational structure and its future developmental programmes vide this Department's Resolution of even number dated 15-2-1988 is hereby allowed to submit its report by 31-1-1989.

ORDER

ORDERED also that the Resolution may be published in the Gazette of India for general information.

N. SIKDAR, Dy. Educational Adviser

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (INLAND WATER TRANSPORT WING) New Delhi, the 30th November 1988

RESOLUTION

No. 28-IWT(3)/88-P&W.—The Committee set up by the Government of India in August, 1968 under the Chairmanship of Shri S. Bhagavati had recommended inter alia the setting up of a High-Powered Bourd on a permanent footing to review the progress made in the execution of various schemes drawn up and for implementation of different recommendations made by the Committee. In pursuance of this recommendation the Government of India set up two bodies namely Central Inland Water Transport Board and Inland Water Transport Implementing and Coordinating Committee, on 11th October, 1971.

2. The Government have since reviewed the working of the CIWT Board. Keeping in view the need for an integrated approach in formulation of policies and programmes to ensure co-ordinated development of different modes of surface transport, it has been decided that the functions of the CIWT Board be transfered to the Transport Development Council Accordingly, the Government have decided to wind up with immediate effect the Central Inland Water Transport Board and IWT Implementing and coordinating Committee set up vide this Ministry's Resolution No. 8-IWT(18)/70-P&W duted 11th October, 1971.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Private and Military Secretaries to the President, the Prime Minister's Secretariat, the Planning Commission and all Ministries of the Government of India as well as all State Governments.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. R. CHAVAN, Jt. Secy.